भारतीय संस्कृति के समस्त तत्व लोक-साहित्य में विद्यमान है, जो शास्त्र में है वह भी, और जिनका उल्लेख शास्त्र में नहीं है, वह भी। लोक-साहित्य समाज की सृष्टि है, जो लोगों की जुबान पर रचा गया है और लोगों की जुबान से ही प्रचारित होता है। लोक समाज की मानसिकता लोक-साहित्य में साकार हो उठती है। लोक समाज क्या सोचता है, क्या चाहता है, क्या करना चाहता है, क्या पाना चाहता है, लोक-साहित्य को पढ़कर उसके मनोभाव को समझा जा सकता है। सही अर्थों में लोक-साहित्य सामाजिक सद्भाव का श्रेष्ठ मानक है। इस पुस्तक में अरूणाचल प्रदेश की गालो जनजाति की जातीय पहचान के नियामक तत्वों को उधेड़ा गया है। इसके अन्तर्गत इस जनजाति की सामाजिक, आर्थिक, और धार्मिक संरचना को, उसकी बुनावट को दुनिया से परिचित कराने का प्रयास किया गया है।

डॉ० अरुण कुमार पाण्डेय (13 सितम्बर 1973 को जन्में) ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से स्नातकोत्तर (हिन्दी) एवं पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। विगत 20 वर्षों से अरुणाचल प्रदेश के राजकीय महाविद्यालय में हिन्दी का अध्यापन कर रहे हैं। लोक-साहित्य के प्रति इनकी गंभीर जिज्ञासा रही है। इन्होंने 'गालो जनजाति की लोकोक्तियों' पर यू.जी.सी. द्वारा अनुदानित लघु शोध परियोजना पूर्ण की है। अरुणाचल प्रदेश की अनेक जनजातियों के लोक-साहित्य और लोक-संस्कृति पर इन्होंने संगोष्ठियों में अनेक व्याख्यान दिये हैं। देश के अनेक ख्यातिलब्ध शोध-पत्रिकाओं में दो दर्जन से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हैं। केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा की महत्वाकांक्षी शोध परियोजना के अन्तर्गत 'नोक्ते' भाषा विशेषज्ञ के रूप में 'हिन्दी नोक्ते अध्येता कोष' का संपादन भी किया है।

सम्प्रति : राजीव गाँधी विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) दोइमुख, ईटानगर में सह-आचार्य के रूप में कार्यरत हैं।

BALAJI PUBLICATIONS
39 G, 2 BHK, Godwin City, Near Godwin Hotel
New Baghpat Bypass, Meerut-250001 (U.P.)
E-mail: balajibooks2010@gmail.com
balaji.books2010@rediffmail.com

₹595/-

ISBN : 978-93-91661-04-5
9 789391 661045

गालो जनजाति की लोक-संस्कृति : पहचान और प्रवाह

डॉ० अरुण कुमार पाण्डेय

गालो जनजाति की लोक–संस्कृति
पहचान और प्रवाह

© Editor

First Edition 2022

ISBN 978-93-91661-04-5

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, restore, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the copyright owner and the publisher

पब्लिशड़ बाई:
बाला जी पब्लिकेशन एण्ड़ डिसट्रीब्यूटर्स
हेड़ ऑफिस:
39 जी, 2 बी एच के, गोडविन सिटी, न्यू गोडविन होटल
नीयर बागपत बायपास, मेरठ-250001 (यू.पी.)
ब्रांच ऑफिस:
23/623, गली न. 6, गुराना रोड़
पठानकोट, बरोत (बागपत)
यू.पी.-250611

Ph.: 09811864351, 08433295480
E-mail: balajibooks2010@gmail.com
balaji.book2010rediffmail.com
Printed in : **India**

समर्पण

संत साहित्य के मूर्धन्य विद्वान मेरे परम श्रद्धेय
प्रो. नंद किशोर पाण्डेय के प्रबुद्ध स्मृति को
समर्पित
जिनके मार्गदर्शन और आत्मीय स्नेह के कारण
मैं कुछ लिख–पढ़ सका